स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017 - 18

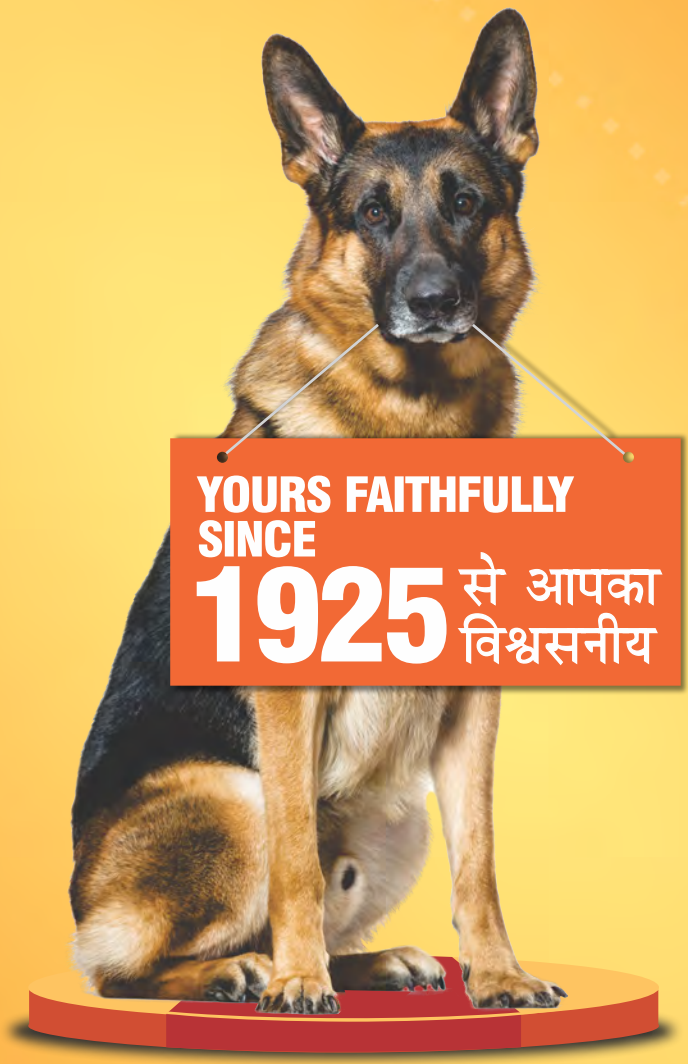

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank
विश्वसनीय. मैत्रीपूर्ण
Faithful. Friendly
भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking

www.syndicatebank.in

Rajbhasha Kirti Puraskar

14 सितंबर 2017 को भारत के महामहिम राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद के करकमलों से हमारी गृह पत्रिका जागृति के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) प्राप्त करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री मेलविन रेगो।

Shri. Melwyn Rego, MD & CEO receiving Rajbhasha Kirti Puraskar (1st Prize) for Inhouse magazine "Jagriti" from Hon'ble President of India, Shri. Ram Nath Kovind on 14th September, 2017

हमारे संस्थापक
Our Founders

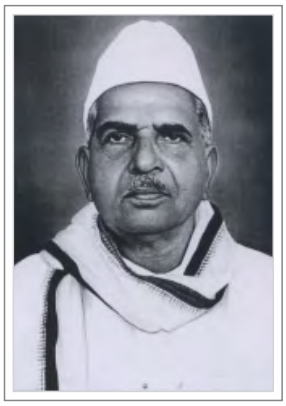

श्री उपेन्द्र अनंत पै
Sri Upendra Ananth Pai

डॉ. टी.एम.ए. पै
Dr. T.M.A. Pai

श्री वी.एस. कुडवा
Sri V.S. Kudva

सिंडिकेटबैंक का इतिहास

SyndicateBank History

सिंडिकेटबैंक की स्थापना भगवान श्री कृष्ण की निवास भूमि, तटीय कर्नाटक के उडुपि में मात्र 8000/– रुपए की पूंजी से तीन दूरदर्शियों – श्री उपेन्द्र अनंत पै, व्यवसायी, श्री वामन कुड्वा, इंजीनियर और डॉ टी.एम.ए.पै, डॉक्टर द्वारा 1925 में की गयी थी। इन तीनों में सामाजिक कल्याण के प्रति अडिग आस्था थी। इनका मुख्य उद्देश्य समाज से छोटी बचतों का संग्रह करके उन स्थानीय बुनकरों को वित्तीय सहायता पहुंचाना था, जो हथकरघा उद्योग में संकट के कारण संघर्ष का सामना कर रहे थे। बैंक, सन् 1928 में शुरु की गई पिग्मी जमा योजना के अधीन अपने अभिकर्ताओं के माध्यम से जमाकर्ताओं के घर–घर पहुँच कर प्रतिदिन दो आने की मामूली रकम एकत्रित करता था। यह योजना आज बैंक की ब्रांड ईक्विटी बन गई है।

सिंडिकेटबैंक की प्रगति यात्रा, भारत में प्रगामी बैंकिंग के विभिन्न चरणों का पर्याय रहा है। अपनी मार्गदर्शन की भूमिका तथा दूरदर्शी नीतियों के बलबूते 92 वर्षों की लम्बी अवधि के दौरान बैंक ने अपने लिए दो से तीन पीढ़ियों के ग्राहकों से युक्त सुदृढ़ ग्राहक आधार का निर्माण किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सुदृढ़ पकड़ और जमीनी हक़ीकत का व्यापक समझ होने के कारण बैंक के पास भारत के भविष्य की एक दूरदृष्टि है। बैंक अपनी विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विचारधाराओं का संरक्षण करते हुए तथा नई विचारधाराओं को अपनाते हुए बैंकिंग क्षेत्र में नवोन्मेषता लाने का प्रयास कर रहा है। बैंक और जनता दोनों के परस्पर अवलंबन द्वारा प्रगति प्राप्त करने के उसके तत्व–ज्ञान से बैंक को भारी लाभ हुआ है। बैंक द्वारा देश के विकास में उत्प्रेरक के रूप में कार्य किये जाने के साथ–साथ समावेशी विकास पर अनवरत ध्यान दिया जा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी, ज्ञान और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में 21वीं सदी की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए बैंक सन्नद्ध है। एक व्यापक सूचना प्रौद्योगिकी योजना तैयार की गयी है और अपने कार्यकलापों के हर क्षेत्र में ग्राहक संतुष्टि पाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बैंक कर्मचारियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाया जा रहा है। बैंक ने, समाज के विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर अपने उत्पादों एवं सेवाओं को उनके अनुकूल बनाया है। हमारी सभी शाखाएं सीबीएस प्लेटफार्म के अतंर्गत आती हैं। लंदन शाखा सहित देश भर में बैंक की 4013 शाखाएं और 4248 एटीएम हैं।

SyndicateBank was established in 1925 in Udupi, the abode of Lord Krishna in coastal Karnataka with a capital of ₹ 8000/- by three visionaries - Sri. Upendra Ananth Pai, a businessman, Sri. Vaman Kudva, an engineer and Dr. T.M.A. Pai, a physician - who shared a strong commitment to social welfare. Their objective was primarily to extend financial assistance to the local weavers who were crippled by a crisis in the handloom industry through mobilising small savings from the community. The Bank collected as low as two annas daily at the doorsteps of the depositors through its Agents under its Pigmy Deposit Scheme started in 1928. This scheme is the Bank's brand equity today.

The progress of SyndicateBank has been synonymous with the phase of progressive banking in India. Spanning over 92 years of pioneering expertise, the Bank has created for itself a solid customer base comprising customers of two to three generations. Being firmly rooted in rural India and understanding the grassroots realities, the Bank's perception had a vision of future India. It has been propagating innovations in Banking and has also been receptive to new ideas, without however getting uprooted from its distinctive socio-economic and cultural ethos. Its philosophy of growth by mutual sustenance of both the Bank and the people has paid rich dividends. The Bank has been operating as a catalyst of development and consistently focusing on inclusive growth across the country.

The Bank is well-equipped to meet the challenges of the 21st century in the areas of Information Technology, knowledge and competition. A comprehensive IT plan is in place and the skills and knowledge of the Bank's personnel are being upgraded through a variety of training programmes to promote customer delight in every sphere of its activity. The Bank has customised its products and services keeping in view the requirements of different strata of the society. All the Bank branches are covered under CBS platform. Bank is having 4013 branches including London Branch and 4248 ATMs across the country.

मणिपाल में प्रधान कार्यालय

Head Office building at Manipal

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री अजय विपिन नानावटी
अध्यक्ष
Sri Ajay Vipin Nanavati
Chairman

श्री मेलविन रेगो
प्रबंध निदेशक एवं सी.ई.ओ.
Sri Melwyn Rego
Managing Director & C.E.O.

श्री सीएच एस एस मल्लिकार्जुन राव
कार्यपालक निदेशक
Sri CH S S Mallikarjuna Rao
Executive Director

श्री एस कृष्णन
कार्यपालक निदेशक
Sri S Krishnan
Executive Director

श्री रा ना दुबे
निदेशक
Sri R N Dubey
Director

श्री जयंत गोखले
निदेशक
Sri Jayant Gokhale
Director

सुश्री वंदना कुमारी जेना
निदेशक
Ms Vandana Kumari Jena
Director

श्री जी रमेश
निदेशक
Sri G Ramesh
Director

श्री कमल किशोर सिंघल
निदेशक
Sri Kamal Kishore Singhal
Director

श्री सुनील वशिष्ठ
निदेशक
Sri Sunil Vashisht
Director

मुख्य सतर्कता अधिकारी / Chief Vigilance Officer

श्री सीएच प्रभाकर राव
Sri Ch. Prabhakara Rao

महाप्रबंधक
General Managers

श्री अतुल कुमार
Sri Atul Kumar

श्री टी रवींद्रनाथ
Sri T Ravindranath

श्री उदय शंकर मजूमदार
Sri Uday Sankar Majumder

श्री मोहिंदर प्रताप नागपाल
Sri Mohinder Pratap Nagpal

श्री एच भास्कर
Sri H Bhaskar

श्री वी अशोकन
Sri V Asokan

श्री एम मोहन रेड्डी
Sri M Mohan Reddy

श्री के मंजुनाथ
Sri K Manjunath

श्री एम प्रसाद
Sri M Prasad

श्री अशोक रेड्डी नूकला
Sri Ashok Reddy Nukala

श्री के श्रीनिवास राव
Sri K Srinivasa Rao

श्री सतीश कामत
Sri Sathish Kamath

श्री के जयकुमार
Sri K Jayakumar

श्री आर अशोकन
Sri R Ashokan

श्री सी बी एल नरसिंह राव
Sri C B L Narasimha Rao

श्री एस रवींद्रन
Sri S Ravindran

श्री एस पी शर्मा
Sri S P Sharma

श्री जगन मोहन प्रह्लाद के
Sri Jagan Mohan Prahlad K

श्री मोहन राव जी
Sri Mohan Rao G

श्री ए स्टीवन वास
Sri A Steven Vas

श्री डी संपत कुमार चारी
Sri D Sampath Kumar Chary

श्री मधु पी
Sri Madhu P

महाप्रबंधक
General Managers

आंतरिक लोकपाल
Internal Ombudsman

श्री आर अलगिरि सामी
Sri R Alagiri Samy

श्री शिव कुमारवेल
Sri Siva Kumaravel

श्री के राम मूर्ति
Sri K Rama Murthy

1925 से आपका विश्वसनीय

Yours Faithfully since 1925

अपने धन
की वृद्धि करें
सुरक्षित
तरीके से !
पेश है
सिंड
500
मीयादी जमा*
*शर्तें लागू
सिंड 500 मीयादी जमा द्वारा अपने धन की वृद्धि करें। एक हजार से एक करोड़ रूपये से कम की राशि जमा कर सकते हैं। प्रति वर्ष 6.8%* की दर से ब्याज अर्जित करें।
टोल फ्री सं : 1800 3011 3333 | 1800 208 3333 | www.syndicatebank.in

Personal or professional, it's the perfect choice!

Open an account today.

Save today, enjoy your future!

Conditions apply